रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2021–23

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गजट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215, 9415074806, 9415486103

वर्ष – 44 • अंक – 13 • कानपुर 1 से 15 जुलाई 2022 • प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी • वार्षिक मूल्य ₹ 100

अन्य चिकित्सा पद्धतियों की भाँति ही स्थापित होगी इलेक्ट्रो होम्योपैथी – डा0 इदरीसी

देश व प्रदेश में प्रचलित मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों की भाँति ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को स्थापित करने का प्रयास किया जाना चाहिये क्योंकि यह चिकित्सा पद्धति प्रभावी व जीवनदायनी होने के साथ साथ सुलभ भी है, यह विचार इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित विजय दिवस कार्यक्रम में संगठन के अध्यक्ष डा0 मो0 हाशिम इदरीसी ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक केन्द्र के समागार 127/204 एस जूही में व्यक्त किये, अध्यक्ष डा0 मो0 हाशिम इदरीसी ने अपने वक्तव्य मे कहा कि भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 21 जून, 2011 को इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संचालन के लिए एक स्पष्ट आदेश जारी किया था उसी तिथि को हम विजय दिवस के रूप में मनाते हैं उन्होंने बताया कि भारत सरकार के इसी आदेश के अनुपालन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 04 जनवरी, 2012 को शासनादेश जारी कर प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा, चिकित्सा रजिस्ट्रेशन एवं अनुसंधान का मार्ग प्रशस्त कर दिया है अब आवश्यकता है कि हम सब मिलकर सामान्य जन को इस पद्धति की उपयोगिता बतायें और समाज के बीच जाकर स्वंय की उपयोगिता सिद्ध करें डा0 इदरीसी ने आगे कहा कि किसी भी चिकित्सक को किसी दूसरी पद्धति से इलेक्ट्रो होम्योपैथी की तुलना नहीं करनी चाहिये अपितु अपनी योगयता व अनुभव के आधार पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में अपना योगदान देना चाहिये परन्तु स्थापित होने के लिये आवश्यक है कि हम अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुये जनता को स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर स्थापित होने के मार्ग में आगे बढ़ें, उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करने का प्रयास करें क्योंकि केन्द्र एवं राज्य सरकार की ओर से हमें सब कुछ मिल गया है आवश्यकता है तो मात्र उसके उपयोग और उपभोग करने की यह तभी सम्भव है जब हर एक में आत्म विश्वास पैदा होगा।

इहमाइ के अध्यक्ष डा0 एम0 एच0 इदरीसी विजय दिवस कार्यक्रम के अवसर पर डा0 काउण्ट सीजर मैटी को माल्यार्पण करते हुये –छाया गजट

कार्यक्रम का संचालन कर रहे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के सचिव डा0 अतीक अहमद ने बताया कि भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार ने हमें सबकुछ दे दिया है अब हमें केवल कार्य करने की आवश्यकता है इस विजय दिवस के अवसर पर हम सब को सिर्फ कार्य करने के बारे में नीति निर्धारित करनी चाहिये और उसी के अनुसार आगे कार्य करना चाहिये।

संगठन के संयुक्त सचिव श्री मिथलेश कुमार मिश्रा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि यह विजय दिवस हमारे लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि आज विश्व योगा दिवस भी है इस दिवस को पूरा विश्व मना रहा है हम अपने इस विजय दिवस को इतना प्रचारित कर दें जैसे कि राष्ट्रीय स्तर पर विश्व

शेष पेज 3 पर

अब समय आ गया है कड़े निर्णय लेने का

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में रोज नये–नये परिवर्तन होते रहते हैं यह परिवर्तन अगर सकारात्मक हों तो पद्धति के विकास में सहायक होते हैं और जब यह परिवर्तन नकारात्मकता का स्वरूप ले लेते हैं तो पद्धति के विकास को अवरूद्ध करने लगते हैं गत वर्षों में मूल भूत परिवर्तन हुआ है इलेक्ट्रो होम्योपैथी की संस्था संचालन करने वाले लोगों की मानसिकता में मूलभूत परिवर्तन भी आया है और तो और इसका परिणाम यह हो गया है जो वर्षों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी में लगे थे और लुप्त हो गये थे वह भी आज सामने आ रहे हैं।

बहुत सारे ऐसे लोग हैं जिनमें निराशा इस कदर घर कर गयी है कि काम तो करना चाहते हैं लेकिन दिशा सही नहीं पकड़ रहे हैं एक दूसरे के अधिकारों पर अतिक्रमण तक सीमित रहें तो भी ठीक है अब तो लोग बलात अतिक्रमण करने लगे हैं, जीवन पर्यन्त इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़ाव रखने के कारण न तो वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी को छोड़ पा रहे हैं और न ही उनका इलेक्ट्रो होम्योपैथी से मोह भंग हो पा रहा है।

जब हम इस विषय पर विचार करते हैं कि जब इन्हें इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कार्य नहीं करना है तो फिर इस पद्धति को अपने असफल प्रयासों से दूषित क्यों कर रहे हैं ? सोचने के बाद मन में यही उत्तर आता है कि शायद जो साख उन्होंने इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कमायी है उसको छोड़ना भी नहीं चाहते और भुना तो पा ही नही रहे हैं, इन्हीं सम विषम परिस्थितियों के कारण इलेक्ट्रो होम्योपैथी उस स्थान को नहीं प्राप्त कर पा रही है जो उसे प्राप्त होना चाहिये, जब हम सब इलेक्ट्रो होम्योपैथी को शासकीय अधिकार दिलाने के लिए सरकार से लड़ते थे तब इलेक्ट्रो होम्योपैथी चरम पर थी।

आज जब केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के संचालन के लिए सारे अधिकार दे रखे हैं तब भी हम विकास की राह पर बढ़ नहीं पा रहे हैं, यह एक ऐसा यक्ष प्रश्न है जिस पर यदि शीघ्र उत्तर नहीं पाया गया तो शायद इलेक्ट्रो होम्योपैथी के उस विकास का सपना जो हम सब लोगों ने देख रखा है आसानी से सम्भव न हो सके इन्हीं सब विषयों पर गम्भीरता से चिन्तन के लिए व भविष्य की ठोस रणनीति तैयार करने के लिए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया द्वारा 25 जून, 2022 को नई दिल्ली स्थित केन्द्रीय कार्यालय में एक उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष डा0 मो0 हाशिम इदरीसी ने की।

इहमाइ के सचिव डा0 अतीक अहमद विजय दिवस पर डा0 मैटी को माल्यार्पण करते हुये –छाया गजट

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने–अपने विचार रखे इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि हर विचार सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए ही था छिद्रान्वेषण के लिए कोई भी स्थान नहीं था विभिन्न पहलू पर चर्चा होने के बाद सामूहिक रूप से जो निचोड़ आया उस पर

शेष पेज 2 पर

हम कब तक लोगों को भ्रमित करते रहेंगे

भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 20 जून, 2022 को जारी एक बेनामी पत्र आजकल सोशल मीडिया पर बहुत तीव्र गति से वायरल हो रहा है, यह पत्र सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के अधीन मांगी गयी सूचना के सम्बंध में जारी किया गया है, पत्र भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा बेनामी जारी करने का कोई औचित्य प्रतीत नहीं होता,यदि ऐसा है तो किन कारणों एवं किन परिस्थितियों में हुआ है ?

प्रथम दृष्टि से तो यह पत्र सन्देहास्पद व फर्जी प्रतीत होता है, पत्र जिसको प्रेषित किया गया है उसने अपना नाम क्यों छिपा दिया है यह भी बात समझ से परे है, जो भी हो नाम छुपाने की आवश्यकता क्यों पड़ गयी, यह भी एक प्रश्नवाचक बिन्ह की उत्पत्ति तो करता ही है साथ साथ एक प्रश्न मन में और उपजने लगता है कि नाम छिपाने वाला व्यक्ति क्या वैकल्पिक पद्धति के चिकित्सकों/संस्थाओं/शीर्ष संस्थाओं को बिलकुल मूर्ख समझता है! या फिर कुछ तो है जो वह सबसे छिपाना चाहता है, अखिर कौन उसे यह कृत्य करने हेतु उकसा रहा है! इसके पीछे उकसाने वाले व्यक्ति की मनशा क्या है, क्या यह सब करके वह अपने आपको अलग और विशेष श्रेणी में आने की कल्पना कर रहा है, भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा जारी पत्र का सार कुछ इस प्रकार है .....

So far as DHR is aware , there is no system of medicine / therapy in the country as recognised by the Government of India with the precise name "Alternative System of Medicine/Therapy"

In view of the reply to questions no. (I) & (ii) above, DHR has no information w.r.t. these two questions.

भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 2017 से गैर मान्यता प्राप्त वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को मान्यता देने हेतु मैकेनिज़्म पर विचार करने हेतु अन्तर विभागीय समिति का गठन किया गया है जो निरन्तर अपना कार्य कर रही है, उसने ऐसी कोई भी टिप्पणी नहीं की है जिससे वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति को रोकने की बात हो अपितु उसने यही कहा है कि गैर मान्यता प्राप्त चिकित्सा पद्धतियों को रोकने का सरकार का कोई इरादा नहीं है, परन्तु उन्हें मान्यता तभी प्रदान की जायेगी जब वे आवश्यक एवं वांछनीय माप–दण्डों को पूर्ण करेंगे।

RTI द्वारा सूचना मागने वाले व्यक्ति ने जो भी लिखा हो किन्तु सरकार का उत्तर अति स्पष्ट है क्योंकि देश में वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति नाम से की कोई भी पद्धति नहीं है, एलोपैथी के अतिरिक्त सभी वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियां हैं उन्हें उनके नाम से मान्यता दी गयी है तथा जो मान्यता की प्रतीक्षा में हैं उन्हें भी उनके ही नाम से मान्यता प्रदान की जा रही है तथा भविष्य में भी उनके ही नाम से मान्यता प्रदान की जायेगी, वर्तमान में वैकल्पिक चिकित्सा की श्रेणी में जो चिकित्सा पद्धतियां मान्यता प्राप्त हैं वे क्रमशः आयुर्वेदिक, यूनानी, होम्यापैथी, सिद्धा तथा सोवा रिग्पा आदि अभी कुछ समय पहले ही एक्युपंक्चर के लिये भी समिति ने अपनी सहमति प्रदान की है, अब जो पद्धति प्रथम प्राथमिकता में है वह है इलेक्ट्रो होम्यापैथी, आखिर RTI एक्टिविस्ट का उद्देश्य क्या है ! लगता तो नहीं है कि यह व्यक्ति इतना भोला भाला है कि कुछ जानता ही नहीं, ऐसा प्रतीत होता है कि आवेदक अपनी आदत के अनुसार ऐसे अनेक कार्य करता रहता है जिससे समाज में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती रहती है RTI सोच समझकर मांगे अन्यथा कहीं आपकी ज़रा सी चूक आपको असुविधा में न डाल दे ध्यान रहे कि आपके पीछे भी कोई है जिसे आप देख नहीं सकते हैं RTI एक्टिविस्ट को भलिभाँति ज्ञात हो कि गैर मान्यता प्राप्त पद्धतियों की शिक्षा एवं चिकित्सा हेतु भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान पटल का दिनांक 25 नवम्बर, 2003 का आदेश अपने आपमें एक दिशा निर्देश है।

अब समय आ गया है

(प्रथम पेज से आगे)

निर्णय लेते हुए माननीय अध्यक्ष जी ने तय किया कि यदि वास्तव में इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को विकास के रास्ते पर ले चलना है तो हमें कुछ कड़े निर्णय लेने पड़ेंगे यह निर्णय किसी व्यक्ति विशेष या संस्था के लिए न होकर सामूहिक है क्योंकि अब समय आ गया है कि निजी हितों से ऊपर उठकर सिर्फ चिकित्सा पद्धति के लिए कार्य किया जाये इसके मूल में यह है कि जब कोई चिकित्सा पद्धति पुष्पित पल्लवित होती है तो उससे जुड़ा हर व्यक्ति स्वतः समृद्धिशाली हो जाता है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का क्षेत्र बहुत विस्तृत है और सम्भावनायें भी असीम हैं इन सम्भावनाओं से परिणाम निकालना हमारा अपना कार्य है ऐसे व्यक्ति जो स्वार्थ से लिप्त होकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को अन्य पद्धतियों के साथ जोड़कर विकास यात्रा में शामिल होना चाहते हैं उनके स्वप्न कभी पूरे होते नहीं दिखते क्योंकि हर चिकित्सा पद्धति को अपनी उपयोगिता सिद्ध करनी पड़ती है।

गत वर्षों से योग और नेचुरोपैथी की चकाचौंध से हमारे कुछ साथी इस कदर प्रभावित हैं कि वे इलेक्ट्रो होम्योपैथी को इसके साथ घालमेल करके इलेक्ट्रो होम्योपैथी का आवरण पहने रहना चाहते हैं यह कितना तर्क संगत है ? यह तो वही जान सकते हैं जो इस तरह की धारणा के पोषक हैं, ऐसी धारणायें हो सकता है कुछ समय तक उन्हें यश और धन प्रदान कर दें लेकिन जब स्वंय उनका अन्तर्मन इस विषय पर चिन्तन करने के लिए विवश करेगा तो शायद वह खुद को क्षमा नहीं कर पायेंगे।

आज इलेक्ट्रो होम्योपैथी से काम करने की स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है कहीं पर कोई रूकावट या असहजता जैसी बात नहीं है फिर भी तालमेल की जगह घालमेल का काम जारी है सबसे अधिक संकट औषधि निर्माण के क्षेत्र से आ रही है आज पूरे भारत में सैकड़ों की संख्या में इलेक्ट्रो होम्योपैथी औषधि निर्माणशालायें जन्म ले चुकी हैं और हर औषधि निर्माता गुणवत्ता युक्त औषधि निर्माण का दावा करता है, हम उनके दावे को खारिज नहीं करते लेकिन यदि कभी कोई परीक्षण हो जाये तो वह परीक्षण की हर कसौटी पर क्या खरा उतरेगा, पहले कागजी सत्यापन होते थे अब भौतिक सत्यापन का समय है इसलिए अगर किसी निर्माणशाला का भौतिक सत्यापन किसी सक्षम अधिकारी द्वारा किया जाये तो निर्माण शाला संचालक अपनी निर्माण प्रक्रिया और अधिकारों के बारे में अधिकारी को बता कर क्या संतुष्ट कर सकता है, यदि थोड़ी बहुत कमी होगी तो उसके लिए समय मिल सकता है लेकिन जहां कुछ भी नहीं है और उस विषय पर गलत प्रचार किया जाये तो यह विषय कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता है।

आजकल कुछ कम्पनियां लाइसेंस शुदा दवा बनाने का दावा कर रही हैं अब आप इन दवा निर्माताओं से पूछिये कि आप को किस इकाई ने निर्माण का लाइसेंस प्रदान किया है ? क्योंकि जिस संगठन को भारत सरकार ने स्वीकार कर रखा है उस संगठन द्वारा अभी तक किसी भी औषधि निर्माता को औषधि निर्माण का प्रमाण पत्र नहीं दिया गया है, जिन लोगों के पास किसी तरह का लाइसेंस है वह लाइसेंस खाद्य एवं औषधि प्रशासन प्राधिकरण द्वारा खाद्य प्रसंस्करण हेतु प्राप्त किये गये हैं इस प्रकार के प्राप्त लाइसेंसों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी औषधियों का निर्माण कैसे किया जा सकता है ? इसका उत्तर वही निर्माता दे सकते हैं जो इस तरह के शब्दों का प्रयोग करते हैं एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी औषधि का निर्माण कर रहे हैं और ऐसी औषधियों की गुणवत्ता के बड़े–बड़े दावे कर रहे हैं, अब ऐसी बातें इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में सहायक हो सकती हैं क्या ! यह प्रश्न तो बने ही रहेंगे ? हमें यह बात नहीं भूलनी चाहिये कि ज्यों–ज्यों विकास होता है त्यों–त्यों उसे कसौटी पर कसा जाता है जब से विश्व में कोरोना का जन्म हुआ तब से सरकार स्वास्थ्य के प्रति ज़्यादा सजग है और औषधि के क्षेत्र में भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाये हुए है।

योगा का पूरे विश्व में प्रचार प्रसार हो रहा है बड़े बड़े दावे भी होते हैं कि गम्भीर से गम्भीर रोगों से मुक्ति योग द्वारा सम्भव है इस पर तरह तरह की टिप्पणियां आती रहती हैं।

इन सारी गम्भीर विषयों पर चिन्तन के बाद अध्यक्ष द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय का 21 जून, 2011 का आदेश काफी है यह आदेश स्पष्ट एवं अधिकार प्रदान करता है और इस आदेश से यह भी स्पष्ट है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जो भी कार्य होंगे वे 25 नवम्बर, 2003 में वर्णित निर्देशों के अनुसार ही किये जायेंगे और सभी राज्य सरकारों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों को यह स्पष्ट आदेश भी है कि इस आदेश को हर राज्य अपने यहां लागू करे इस तरह से पूरे देश में 21 जून, 2011 के अनुसार कार्य किया जा सकता है।

जो लोग भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान पटल द्वारा जारी आदेश दिनांक 25 नवम्बर, 2003 के विरूद्ध कार्य कर रहे हैं वह इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कभी भी सहायक सिद्ध नहीं हो सकते हैं इसलिए इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया ने यह निर्णय लिया है कि सभी राज्य सरकारों को 21 जून, 2011 की प्रति पुनः प्रेषित कर उनसे निवेदन किया जाये कि हर राज्य सरकारें एवं केन्द्र शासित प्रदेश अपने राज्यों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा करें और उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि जो संस्था 21 जून, 2011 के अनुरूप कार्य कर रही हो सरकार उन्हें अपना सहयोग व समर्थन प्रदान करे।

जहाँ एक ओर कुछ संस्थायें विधि सम्मत ढंग से एवं सरकार द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए कार्य कर रही हैं वहीं दूसरी ओर कुछ संस्थायें ऐसी भी हैं जो मन माने ढंग से कार्य कर रही हैं, ऐसी स्थिति में कार्यों का सही मूल्यांकन नहीं हो सकता है, ऐसी स्थिति में यह आवश्यक हो जाता है कि जो संस्थायें वास्तविक कार्य कर रही हों वह बिना किसी गठजोड़ के अकेले ही कार्य करें क्योंकि सफलता पाने के लिए दो चार लोगों की राय की आवश्यकता नहीं होती, व्यक्ति अकेले ही कार्य करते हुए परिणामों को प्राप्त कर सकता है, परिणाम हमें हर हाल में पाने है इसके लिए हम हर रचनात्मक कार्य करने से पीछे नहीं हटेंगे, निराशा और भय के लिए अब कोई स्थान नहीं है और न ही मार्ग दुर्गम है, जब सब कुछ स्पष्ट और साफ–साफ है तो कार्य करने में हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिये, हम अभी प्रयास करेंगे कि हमारे जो नौजवान और बुजुर्ग साथी किसी कारण वश दिशा भ्रमित हो गये हैं वह वास्तविकता से परिचित हों और जिस ऊर्जा के साथ पूर्व में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए कार्य कर रहे थे उसी ऊर्जा को एक बार फिर से संचित करके इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास में अपना योगदान देंगे।

हम प्रतीक्षा करेंगे कि पूरी निष्ठा के साथ लोग इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़ें यदि लोग नहीं जुड़ते हैं तो हमें अकेले चलने में भी कोई भी गुरेज नहीं है, कारण इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं उसे पूरा करना हम अपना धर्म समझते हैं और इस धर्म को निभाने में यदि हमें कुछ साथियों से बिछुड़ना भी पड़े तब भी उस कष्ट को बर्दाश्त करते हुए हम अपना धर्म निभायेंगे क्योंकि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति किसी व्यक्ति विशेष या संस्था विशेष के लिए नहीं है, यह सम्पूर्ण मानवता के लिए है मानवता का कल्याण हो इस भावना से ओत प्रोत होकर हम पुनः आवाहन करते हैं कि पूरे मनोयोग और पूरी उर्जा से लग कर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कार्य करें।

इस हेतु बोर्ड आफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 की पहल एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया के समन्वय से इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पद्धति विकास एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा केन्द्रीय इलेक्ट्रो होम्योपैथिक पद्धति विकास एवं अनुसंधान परिषद का गठन किया गया है।

अन्य चिकित्सा पद्धति ..... प्रथम पेज से आगे

संगठन के संयुक्त सचिव मिथलेश कुमार मिश्रा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि यह विजय दिवस हमारे लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि आज विश्व योगा दिवस भी है इस दिवस को पूरा विश्व मना रहा है हम अपने इस विजय दिवस को इतना प्रचारित कर दें कि राष्ट्रीय स्तर पर विजय दिवस हो जैसा कि विश्व योगा दिवस। हमारा विश्वास है कि जिस प्रकार विश्व योगा दिवस मनाया जा रहा है उसी प्रकार इलेक्ट्रो होम्योपैथों द्वारा आने वाले वर्षों में विजय दिवस भी मनाया जायेगा, कार्यक्रम में प्रमुख रुप से डा0 वाई0 आई0 खान, डा0 राम अवतार कुशवाहा, डा0 प्रमोद कुमार सिंह, डा0 अरुण कुमार अरोड़ा आदि ने सम्बोधित किया, डा0 इकबाल अन्सारी की उपस्थिति सराहनीय रही।

प्रदेश के अन्य जनपदों से भी विजय दिवस मनाये जाने के समाचार प्राप्त हुये हैं जिनमें प्रमुख रुप से इटावा– गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी विजय दिवस 21 जून को

डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा संयुक्त सचिव इहमाई विजय दिवस पर मैटी जी को माल्यार्पण करते हुये – छाया गज़ट

श्री मो0 नसीम इदरीसी प्रभारी लखनऊ कार्यालय विजय दिवस पर डा0 मैटी को माल्यार्पण करते हुये – छाया गज़ट

विजय दिवस कार्यक्रम के अवसर पर डा0 राम अवतार कुशवाहा अपने विचार देते हुये।

डा0 प्रमोद सिंह विजय दिवस पर डा0 मैटी को माल्यार्पण करते हुये – छाया गज़ट

इटावा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर इटावा में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया,कार्यक्रम की अध्यक्षता डा0 मो0 शकील ने की,स्टडी सेंटर के प्रिंसिपल डा0 मो0 अखलाक ने कहा कि वर्षों से प्रतीक्षित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को शासकीय अधिकार की कामना 21 जून 2011को पूरी हुई जब भारत सरकार ने आदेश संख्या **C.30011/22/2011 H.R.**इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया के पक्ष में जारी कर देश के सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को अनुपालनार्थ प्रेषित किया जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा,शिक्षा,अनुसंधान एवं विकास का मार्ग सुगम हो गया तभी से इस दिवस पर 21 जून को प्रतिवर्ष विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है,डा0 मोहम्मद

डा0 वाई0आई0 खान विजय दिवस पर अपने विचार साझा करते हुये – छाया गज़ट

डा0 अरुण कुमार विजय दिवस पर डा0 मैटी को माल्यार्पण करते हुये – छाया गज़ट

डा0 इटावा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के प्रमुख एखलाक अहमद इटावा में विजय दिवस चर्चा करते हुये

अखलाक ने बताया कि शीघ्र ही जिले में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर लोगो को स्वास्थ्य लाभ कराया जायेगा। इस अवसर पर डा0 आदिल खाँ,डा0 नरेश चन्द्र कुशवाहा,डा0सतीश ने विचार व्यक्त किये।

फिरोजाबाद :– गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी विजय दिवस 21 जून को जिला इलेक्ट्रो होम्योपैथिक कार्यालय, सिरसागंज इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर ,सिरसागंज जनपद फिरोजाबाद में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया,कार्यक्रम की अध्यक्षता डा0 डा0 वीरेन्द्र कुमार ने की,स्टडी सेंटर के प्रिंसिपल एव जनपद फिरोजाबाद के जिला प्रभारीडा0 मो0 इसरार ने कहा कि वर्षो से प्रतीक्षित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक

डा0 नेम सिंह व डा0 बहादुर अली हाथ्रस ने संयुक्त रुप से कुछ इस प्रकार विजय दिवस मनाया

शेष पेज 4 पर

विजय दिवस कार्यक्रमों के समाचार पेज 3 से आगे

चिकित्सकों को शासकीय अधिकार की कामना 21 जून 2011को पूरी हुई जब भारत सरकार ने आदेश संख्या **C.30011/22/2011 H.R.**इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया के पक्ष में जारी कर देश के सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को अनुपालनार्थ प्रेषित किया जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान एवं विकास का मार्ग सुगम हो गया तभी से इस दिवस पर 21 जून को प्रतिवर्ष विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है, डा0 खान ने बताया कि शीघ्र ही जिले में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर लोगो को स्वास्थ्य लाभ कराया जायेगा। इस अवसर पर डा0 खुशबू रानी, डा0 कौशर बेगम, ऊषा देवह, सीमा, डा0 राजीव लोहिया तथा डा0 वीरेन्द्र कुमार ने विचार व्यक्त किये।

हाथरस– 21 जून 2011 को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के अनुसंधान विभाग द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक की चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान एवं विकास करने का आदेश इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया को दिया था इसलिए इलेक्ट्रो होम्योपैथी इस दिन को विजय दिवस के रूप में मनाते है इसी आदेश के तत्वाधान आज जिला इलेक्ट्रो होम्योपैथिक कार्यालय, विवेक क्लीनिक सादाबाद हाथरस में विजय दिवस कार्यक्रम मनाया गया जिसमें प्रमुख रूप से डा0 आर0 सी0 उपाध्याय, डा0 बहादुर अली, डा0 राम रूप शैतेल, डा0 नेम सिंह, डा0 एम श्री बघेल,डा0 अमर सिंह एवं अनीता रानी शर्मा आदि लोग उपस्थित हुए।

हमीरपुर– गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 21 जन को बुन्देलखण्ड इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर पटकाना में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रकी अध्यक्षता श्री विकास तिवारी ने की स्टडी सेन्टर के संचालक एवं संस्था बुन्देलखण्ड के प्रभारी डा0 नरेन्द्र भूषण निगम ने अपने विचार देते हुए कहा कि वर्षो से प्रतीक्षित इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को शासकीय अधिकार की कामना 21 जून 2011 को पूरी हुई जब भारत सरकार ने आदेश संख्या **C.30011/22/2011 H.R.** इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया के पक्ष में जारी कर देश के सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को अनुपालनार्थ प्रेषित किया जिससे इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान एवं विकास का मार्ग सुगम हो गया तभी से इस दिवस को 21 जून को प्रतिवर्ष विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

डा0 निगम ने बताया कि शीघ्र ही जिले में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर लोगो को स्वास्थ्य लाभ कराया जायेगा। इस अवसर पर स्टडी सेन्टर की प्रिंसिपल, डा0मानसी, डा0 मेहर मधुर निगम एवं गणेश सिंह जिला प्रभारी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक ने भी विचार व्यक्त किये।

विजय दिवस के अवसर पर अवध इ0हो0मेडिकल इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 आर0 के0 कपूर

विजय दिवस के अवसर पर फिरोजाबाद स्टडी सेन्टर के प्राचार्य डा0 इसरार खान

मऊ– वलीदपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर पर मंगलवार को विजय दिवस समारोह आयोजित किया गया लोगो को इलेक्ट्रो होम्योपैथी से अवगत कराया गया इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक सरल व सुलभ चिकित्सा पद्धति है जिसमें औषधीय पौधों के स्पेजेरिक एसंस का प्रयोग कर रोगी के रक्त एवं रस की शुद्ध कर लोगो का इलाज किया जाता है।

डा0 अयाज अहमद ने कहा कि भारत सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन आफ इण्डिया के पक्ष में 21 जून 2011 को एक आदेश जारी किया था। इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान एवं विकास पर नोक नहीं तब से 21 जून को इलेक्ट्रो होम्योपैथी में विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

الیکٹرو ہومیوپیتھی کے ڈاکٹروں نے 'یوم فتح' منایا

ولید پور، متوناتھ بھنجن (نامہ نگار): ولید پور الیکٹرو ہومیو پیتھک اسٹڈی سینٹر پر الیکٹرو ہومیو پیتھک میڈیکل ایسوسی ایشن آف انڈیا کے حق میں جاری حکمنامہ کی سالگرہ پر منعقد پروگرام کو یوم فتح کی شکل میں منایا گیا۔ اس موقع پر ڈاکٹر ایاز احمد انصاری نے موجود لوگوں سے مرکزی حکومت کے اس فرمان کے بارے میں بتاتے ہوئے کہا کہ اس فرمان کے مطابق الیکٹرو ہومیو پیتھی کی پریکٹس علاج اور رجسٹریشن کا اختیار بورڈ آف الیکٹرو ہومیو پیتھک میڈیسن اتر پردیش کو حاصل ہے اور الیکٹرو ہومیو پیتھک کی پریکٹس پر کوئی روک نہیں ہے۔ انہوں نے یہ بھی کہا کہ الیکٹرو ہومیوپیتھی ایک سادہ اور قابل رسائی طبی نظام ہے جس میں ادویاتی پودوں کے اسپیجرک ایسنس کے ذریعے مریض کے خون اور رس کو صاف کرکے بیماریوں کا علاج کیا جاتا ہے۔ اس موقع پر ڈاکٹر محمد سلمانی، ڈاکٹر ابو قیس، ڈاکٹر خلیق الزماں، نسیم اختر، محمد قاسم، محمد سالم، ارشاد احمد اور اصغر علی وغیرہ خاص طور سے موجود تھے۔

تقریب کا منظر

रायबरेली – भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग ने दिनांक 21 जून,2011 को इलेक्ट्रो होम्योपैथों को चिकित्सा,शिक्षा अनुसंधान पर अपनी मुहर लगा थी जिससे देश को लाखो इलेक्ट्रो होम्योपैथों का भविष्य उज्जवल हो गया इसी तिथि को इलेक्ट्रो होम्योपैथी विजय दिवस के रूप में मनाते है। आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट रायबरेली के प्राचार्य डा0 पी0 एन0 कुशवाहा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सक खुले मन से प्रैक्टिस कर अपनी पैथी का प्रचार व प्रसार करें। इस अवसर पर डा0 रमेश चन्द्र द्विवेदी, राम आसरे मौर्य,डा0 राजेन्द्र सिंह, डा0 त्रिलोक सिंह,डा0 राम सजीवन एवं डा0 सौरभ आदि ने भी अपने विचार रखे कार्यक्रम की अध्यक्षता भाकपा के श्री रामदीन विश्वकर्मा ने की।

फतेहपुर में डा0 देवानन्द सागर की अध्यक्षता में विजय दिवस कार्यक्रम किया गया

विजय दिवस के अवसर पर बुन्देलखण्ड स्टडी सेन्टर हमीरपुर के प्राचार्य डा0 नरेन्द्र भूषण निगम

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–208014 से मुदित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।